हिन्दी

(स्पर्श) (पाठ 15)(अरुण कमल – नए इलाके में , खुशबू रचते हैं हाथ)
(कक्षा 9)

(1) नए इलाके में

प्रश्न अभ्यास

प्रश्न 1 :
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क).
नए बसते इलाके में कवि रास्ता क्यों भूल जाता है ?

उत्तर क:
नए बसते इलाके में कवि रास्ता इसलिए भूल जाता है क्योंकि हर बार जब भी वह आता है उसे कुछ नया देखने को मिलता है जो पुराने से पूरी तरह भिन्न है ।

(ख).
कविता में कौन–कौन से पुराने निशानों का उल्लेख किया गया है?

उत्तर ख :
पीपल का पेड़ , ढहा हुआ पुराना मकान , लोहे का फाटक और ज़मीन का खाली टुकड़ा ये ऐसे निशान थे जिनके सहारे लेखक अपने पुराने घर तक पहुँचता था ।

(ग).
कवि एक घर पीछे या दो घर आगे क्यों चल देता है?

उत्तर ग :
कवि एक घर पीछे या दो घर आगे इसलिए चला जाता है क्योंकि उसके पुराने पहचान चिह्न उसे धोखा दे जाते हैं । सारे पुराने चिह्न या तो मिट चुके हैं या फिर नए इलाके में धीरे–धीरे खोते जा रहे हैं ।

(घ).
वसंत का गया पतझड़' और 'बैसाख का गया भादों को लौटा' से क्या अभिप्राय है?

उत्तर घ :
इन पक्तियों से यह अभिप्राय है कि कि जहॉ पहले कभी हरा–भरा था वहॉ अब कंक्रीट के जंगल बन गए हैं अर्थात वह सुहाना मौसम लोगों का एक दूसरे के सुख–दुख में एक साथ होना अब सब कल्पना हो गया है ।

(ड).
कवि ने इस कविता में 'समय की कमी' की ओर क्यों इशारा किया है? ।

उत्तर ड :
आज की भाग–दौड़ भरी दुनिया में सभी भाग रहे हैं सब आगे निकलना चाहते हैं किसी के पास भी किसी के लिए समय नहीं है सभी कम समय में सब –कुछ पाना चाहते हैं ।

(च).
इस कविता में कवि ने शहरों की किस विडंबना की ओर संकेत किया है?

उत्तर च :

इस कविता में कवि ने यह दिखाया है कि बढ़ते शहरीकरण के कारण लोग बहुमंजिला इमारतों के छोटे–छोटे मकानों में रहते हैं । गॉवों के बड़े–बड़े मकानों से आकर उनकी दुनिया इन छोटे–छोटे मकानों में सिमट कर रह गई है । जिसे वे अपनी तरक्की मान रहे हैं वही उनही सबसे बड़ी विडम्बना है ।

प्रश्न 2 :

व्याख्या कीजिए –

(क)
यहाँ स्मृति का भरोसा नहीं
एक ही दिन में पुरानी पड़ जाती है दुनिया ।

उत्तर क :

कवि का कहना है कि आज की इस तेजी से बदलती दुनिया में अब स्मृति का कोई भरोसा नहीं रहा आप कोई पहचान लेकर कोई मकान ढूंढना चाहो तो बहुत मुश्किल होता है क्योंकि आपके द्वारा बनाए गए निशान बड़ी तेजी से मिटते जा रहे हैं ।

(ख).
समय बहुत कम है तुम्हारे पास
आ चला पानी ठहा आ रहा अकास
शायद पुकार ले कोई पहचाना ऊपर से देखकर

उत्तर ख :

कवि के अनुंसार आजे के जमाने में कोई किसी को नहीं पहचानता किसी के पास किसी के लिए समय नहीं है सब एक दूसरे से आग निकलना चाहते हैं । ऐसे में कवि अभी भी सोचता है कि शायद कोई अपना मिल जाए और पीछे से आवाज देकर बुला ले ।

(2) खुशबू रचते है हाथ

प्रश्न अभ्यास

प्रश्न 1 :
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क).
'खुशबू रचने वाले हाथ' कैसी परिस्थितियों में तथा कहाँ–कहाँ रहते है ?
उत्तर क :
खुशबू रचने वाले हाथ शहर की भीषण गंदगी के बीच गरीबी के कारण बहुत ही गंदी बस्ती में रहते हैं।

(ख).
कविता में कितने तरह के हाथों की चर्चा हुई है?
उत्तर ख :
कविता में उभरी नसों वाले, घिसे नाखूनों वाले , पीपल के पत्तों जैसे नए , जूही की डाल से खुशबूदार और गंदे कटे–फटे हाथों की चर्चा हुई है । ,

(ग).
कवि ने यह क्यों कहा है कि 'खुशबू रचते हैं हाथ' ?
उत्तर ग :
कवि ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि अगरबत्तियॉ बनाने वाले हाथ भयंकर गंदगी में रहते हुए भी पूरे शहर के लिए खुशबू का सामान तैयार करते हैं ।

(घ).
जहाँ अगरबत्तियाँ बनती हैं, वहाँ का माहौल कैसा होता है ?
उत्तर घ :
जहॉ अगरबत्तियॉ बनती हैं वहॉ चारों ओर गंदगी , बदबू और घुटन का माहौल बना रहता है । लोग कूड़ें के ढेर और नाले के किनारे पर रहने को मजबूर हैं ।

(ङ).
इस कविता को लिखने का मुख्य उद्देश्य क्या है ?
उत्तर ङ :
कविता लिखने का मुख्य उद्‌देश्य यही है कि केवल खुशबू की चाह करने वाले लोगों को इस बात से अवगत कराना कि जिस खुशबू को पाकर आप लोग खुश होते हो उसका निर्माण कितनी गंदगी वाली जगह पर होता है ।

प्रश्न 2 :
व्याख्या कीजिए

(क).
(1)
पीपल के पत्ते–से नए–नए हाथ
जूही की डाल–से खुशबूदार हाथ
उत्तर 1:
कवि के अनुसार अगरबत्ती बनाने वाले हाथ छोटे–छोटे बच्चों के हैं जो बहुत कोमल हैं पीपल के नए पत्तों की तरह कोमल हैं ओर जूही की तरह खुशबू फैलाने वाले हैं ।

(2);
दुनिया की सारी गंदगी के बीच
दुनिया की सारी खुशबू रचते रहते हैं हाथ ;
उत्तर 2 :
कवि के अनुसार अगरबत्ती बनाने वाले लोग इतने गरीब होते हैं कि साफ–सुथरी जगह पर रह भी नहीं सकते वे इनती गंदगी के बीच रहते है जहॉ आम आदमी जाने की सोच भी नहीं सकता ऐसी परिस्थिति में वे सभी के लिए अगरबत्त्यिॉ बनाते हैं ।

(ख).
कवि ने इस कविता में 'बहुवचन' का प्रयोग अधिक किया है? इसका क्या कारण है?
उत्तर ख :
कवि ने बहुवचन का प्रयोग इसलिए अधिक किया है क्योंकि हमारे यहॉ गरीबों की संख्या भी अधिक है और उनके द्वार किए गए छोटे–छोटे कार्य भी इनते अधिक हैं कि उन्हें गिनना नामुमकिन है जिनके कारण हम सब खुशहाल जीवन जीते हैं ।

(ग).
कवि ने हाथों के लिए कौन–कौन से विशेषणों का प्रयोग किया है?
उत्तर ग :
कवि ने हाथों के लिए उभरी नसों , घिसे नाखूनों ,पीपल के पत्तों ,जूही की डाल और फटे हुए आदि विशेषणें का प्रयोग किया है ।